बदलते जमाने का अखबार

पीपुल्स समाचार

www.peoplessamachar.co.in

twitter.com/PSamachar facebook.com/peoplessamachar1

इंदौर
शनिवार 13 फरवरी 2016

तैयारी ▸▸ साइबर थाना और फोरेंसिक लैब की शुरुआत 1 अप्रैल से, सवा करोड़ रुपए की लागत से बनेगा नया भवन

अब इंदौर में भी होगा 'साइबर क्राइम' का डिटेक्शन

साइबर क्राइम के मामले में रिपोर्ट दर्ज कराने और विवेचना के लिए अब भोपाल दौड़ नहीं लगाना पड़ेगी। अब इंदौर में ही साइबर प्रकरण दर्ज होंगे और विवेचना भी। 1 अप्रैल से इंदौर में साइबर थाना और फोरेंसिक लैब की शुरुआत हो जाएगी। इसके लिए रिंग रोड पर सवा करोड़ रुपए में नए भवन का निर्माण हो रहा है।

- प्रकरण दर्ज कराने के लिए लगाना पड़ती है भोपाल दौड़

जफर खान जफर ● इंदौर
9926033955

अधिकृत सूत्रों के अनुसार साइबर अपराधों की ढाई वर्ष की समीक्षा में पाया गया था कि इसमें इंदौर प्रदेश में दूसरे नंबर पर है, जबकि भोपाल नंबर वन है। फिलहाल प्रदेश में एकमात्र साइबर थाना भोपाल में ही है। इंदौर में पलासिया थाने के ऊपर साइबर शाखा है, जहां सिर्फ शिकायतें ली जाती हैं। यहां स्टाफ को शिकायत लेकर प्रकरण दर्ज करने के लिए भोपाल दौड़ लगाना पड़ती है। भोपाल में ही केस दर्ज होता है, गवाही भी और कोर्ट में चालान भी वहीं पेश करना पड़ता है। पिछले दिनों प्रदेश में इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर व जबलपुर शहरों में नए साइबर थाने खोले जाने के प्रस्ताव को हरी झंडी मिल गई। इसके लिए बजट स्वीकृति हो गई व प्रस्ताव वित्त विभाग में है।

साइबर सेल के स्पेशल डीजी राजेंद्र कुमार ने 'पीपुल्स समाचार' से चर्चा में जानकारी दी कि इंदौर में साइबर थाना भवन व लैब के उपकरणों के लिए लगभग सवा करोड़ का बजट स्वीकृत है। साइबर थाना रिंग रोड पर वर्ल्ड कप चौराहा के समीप बनाया जा रहा है।

बढ़ते साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। इंदौर में साइबर थाना 1 अप्रैल से शुरू होगा। नया भवन इस वर्ष के अंत तक पूर्ण हो जाएगा। साइबर क्राइम डिटेक्शन के लिए पुलिस रेडियो ट्रेनिंग स्कूल की भी मदद लेंगे।

-राजेंद्र कुमार (स्पेशल डीजी, साइबर सेल, भोपाल)

पीआरटीएस ने साइबर अपराधों की समीक्षा के बाद पुलिसकर्मियों के लिए नया ट्रेनिंग कोर्स बनाया है। हम साइबर थाने को भी प्रकरणों की विवेचना में मदद करेंगे।

-वरुण कपूर (आईजी, रेडियो पुलिस ट्रेनिंग स्कूल, इंदौर)

साइबर क्राइम डिटेक्शन में मदद करेगा पीआरटीएस

साइबर एक्सपर्ट आईजी वरुण कपूर का कहना है कि मप्र में भी बढ़ते साइबर क्राइम की चुनौती से निपटने के लिए पुलिसकर्मियों व अफसरों को पुलिस रेडियो ट्रेनिंग स्कूल द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर भी निगाह के लिए नया सॉफ्टवेयर व टूल्स तैयार कर लिए गए हैं। इंदौर में नया साइबर थाना खुलने पर पीआरटीएस द्वारा साइबर अपराधों के डिटेक्शन में मदद भी की जाएगी।

साइबर अपराध में इंदौर प्रदेश में दूसरे नंबर पर

इंटरनेट के जरिए ऑनलाइन ठगी, फर्जी प्रोफाइल; आईडी चोरी जैसे साइबर अपराधों के मामले में इंदौर प्रदेश में दूसरे नंबर पर है। इंदौर और भोपाल जिले साइबर अपराध का गढ़ बन चुके हैं। प्रदेश में घटित साइबर क्राइम की समीक्षा पीआरटीएस ने की है। पीआरटीएस के निदेशक आईजी वरुण कपूर के अनुसार अपराधों की 17 श्रेणियां बनाकर ढाई वर्ष की समीक्षा गई थी। अपराधियों ने कई लोगों को आर्थिक चपत लगाई, वहीं ई-मेल आईडी चोरी कर वारदातें की। पासवर्ड चोरी कर फर्जी प्रोफाइल भी बनाई। नौकरी व लॉटरी के नाम पर फरेब भी दिए।